

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

CIET-NCERT के सहयोग से जामिया के डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशनल स्टडीज़ द्वारा "ICT एंड एमर्जिंग टेक्नोलोजीज़ फॉर टीचर्स, टीचर एजुकेटर्स एंड प्यूपिल टीचर्स " विषय पर आयोजित तीन दिवसीय FDP संपन्न

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) के शिक्षा संकाय के डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशनल स्टडीज़ ने सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ़ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी (CIET), NCERT के सहयोग से 10-12 अगस्त, 2026 तक " ICT एंड एमर्जिंग टेक्नोलोजीज़ फॉर टीचर्स, टीचर एजुकेटर्स एंड प्यूपिल टीचर्स " विषय पर तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों और प्रशिक्षु शिक्षकों की तकनीकी और शिक्षण-संबंधी क्षमताओं को संवर्द्धित करना और उन्हें शैक्षिक तकनीक के तेजी से बदलते परिदृश्य में सार्थक, आलोचनात्मक और रचनात्मक रूप से जुड़ने में सक्षम बनाना था। इस कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें सेवा-पूर्व और सेवारत शिक्षक, स्नातकोत्तर छात्र और शोधार्थी शामिल थे।

पहले दिन की शुरुआत DIKSHA एप्लिकेशन के माध्यम से प्रतिभागियों के पंजीकरण के साथ हुई, जिसके बाद कार्यक्रम से संबंधित विषयों पर उनके मौजूदा ज्ञान और समझ का आकलन करने के लिए एक प्री-टेस्ट आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मजहर आसिफ ने की। NCERT, नई दिल्ली के संयुक्त निदेशक प्रो. प्रकाश चंद्र अग्रवाल इस सत्र के मुख्य अतिथि थे। यह कार्यक्रम डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशनल स्टडीज़ के प्रमुख प्रो. एजाज़ मसीह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। प्रो. कौशल किशोर और डॉ. समीर बाबू एम. ने समन्वयक के रूप में कार्य किया, जबकि डॉ. अफ़ाक नदीम खान और डॉ. मो. मूसा अली ने आयोजन सचिवों के रूप में कार्य किया। उद्घाटन सत्र में JMI के डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशनल स्टडीज़ के संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत तिलावत-ए-कुरान और उसके बाद जामिया तराना के साथ हुई। स्वागत भाषण प्रो. एजाज़ मसीह ने दिया, जिन्होंने माननीय कुलपति, मुख्य अतिथि, समन्वयकों, आयोजन टीम, संकाय सदस्यों, संसाधन व्यक्तियों और सभी प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने आज की शिक्षा में ICT और नई उभरती हुई टेक्नोलॉजी के बढ़ते महत्व पर ज़ोर दिया और इस प्रोग्राम को आयोजित करने में CIET, NCERT और डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशनल स्टडीज़ की मिलकर की गई कोशिशों की तारीफ़ की। उन्होंने NCERT के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोफ़ेसर कौशल किशोर की कोशिशों की खास तौर पर तारीफ़ की।

इसके बाद, CIET, NCERT के मीडिया प्रोडक्शन डिवीज़न के प्रोफ़ेसर शिरीष पाल सिंह ने FDP का ओवरव्यू पेश किया। उन्होंने प्रोग्राम के मकसद, उद्देश्यों, ज़रूरत, दायरे और कुल ढांचे के बारे में बताया। प्रोफ़ेसर सिंह ने कोर्स के कंटेंट के बारे में विस्तार से बताया और समझाया कि FDP को इस तरह से क्यों डिज़ाइन किया गया है ताकि टीचर, टीचर एजुकेटर और ट्रेनी टीचर को आज के ICT डेवलपमेंट और शिक्षा से जुड़ी नई टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी मिल सके। उन्होंने प्रोग्राम को लागू करने, उसका मूल्यांकन करने और सर्टिफ़िकेशन में DIKSHA प्लेटफ़ॉर्म की भूमिका के बारे में भी बताया, जिसमें प्री-टेस्ट और पोस्ट-टेस्ट भी शामिल हैं।

उद्घाटन सत्र का एक मुख्य आकर्षण; अतिथि, NCERT के जॉइंट डायरेक्टर प्रोफ़ेसर प्रकाश चंद्र अग्रवाल का संबोधन था। उनके ज्ञानवर्धक मुख्य भाषण में टेक्नोलॉजी के विकास और शिक्षा की प्रक्रियाओं पर इसके बढ़ते प्रभाव पर चर्चा की गई। एनालॉग टेक्नोलॉजी से सेमीकंडक्टर-आधारित डेवलपमेंट की ओर बदलाव पर बात करते हुए, प्रोफ़ेसर अग्रवाल ने समझाया कि कैसे टेक्नोलॉजी में तरक्की ने शिक्षा के सोचने और देने के तरीकों को धीरे-धीरे बदल दिया है। उन्होंने शिक्षा में टेक्नोलॉजी को "समान अवसर देने वाला" (equalizer) बताया और इस बात पर ज़ोर दिया कि इसका सही इस्तेमाल इस बात पर निर्भर करता है कि सभी सीखने वाले टेक्नोलॉजी के मौकों का फ़ायदा उठा सकें।

जामिया मिलिया इस्लामिया के माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर मज़हर आसिफ़ के अध्यक्षीय भाषण ने उद्घाटन सत्र में एक गहरा दार्शनिक और शैक्षिक पहलू जोड़ा। एक उर्दू शेर से शुरुआत करते हुए, प्रोफ़ेसर आसिफ़ ने शिक्षा, लर्निंग और मानवीय अनुभव के गहरे अर्थ पर विचार किया। उन्होंने "ज्ञान" (knowledge) और "शिक्षा" (education) के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर बताया और इस बात पर ज़ोर दिया कि शिक्षा जानकारी इकट्ठा करने से कहीं ज़्यादा बड़ी चीज़ है। उन्होंने कहा कि सच्ची शिक्षा में समझ, मूल्य, अनुभव और ज्ञान का सही इस्तेमाल शामिल है।

प्रोफ़ेसर आसिफ़ ने अनुभव-आधारित सीखने (experiential learning) पर खास ज़ोर दिया और शिक्षकों को ऐसे मौके बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जिनसे सीखने वाले सैद्धांतिक ज्ञान को असल ज़िंदगी के अनुभवों से जोड़ सकें। उन्होंने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी का ड्राफ़्ट तैयार करने वाली कमेटी के सदस्य के तौर पर अपने अनुभव भी साझा किए, जिससे प्रतिभागियों को आज के शैक्षिक बदलाव पर पॉलिसी से जुड़ा एक अहम नज़रिया मिला। प्रोफ़ेसर आसिफ़ के विचारों ने FDP के व्यापक उद्देश्यों को टेक्नोलॉजी पर आधारित शैक्षिक माहौल में शिक्षकों की बदलती पेशेवर भूमिका से जोड़ा।

जामिया के डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशनल स्टडीज़ के पूर्व अध्यक्ष प्रोफ़ेसर कौशल किशोर ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने जामिया के वीसी, मुख्य अतिथि, फैकल्टी सदस्यों, कोऑर्डिनेटर्स, आयोजकों, रिसोर्स पर्सन्स और प्रतिभागियों का उनकी बहुमूल्य उपस्थिति और योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने आयोजन टीम, विशेष रूप से डॉ. समीर बाबू एम., डॉ. अफ़ाक नदीम खान और डॉ. मो. मूसा अली, तथा सभी छात्र स्वयंसेवकों, कार्यालय कर्मचारियों और तकनीकी कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों की भी सराहना की, जिनके सहयोग ने सत्रों के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उद्घाटन समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी